मीडिया समन्वय कार्यालय

जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति 22 फरवरी 2017

सभी अल्पसंख्यकों के हक़ की बात होनी चाहिए

खान अब्दुल गफ्फार ख़ान के नाम पर जामिया मिल्लिया इस्लामिया में वाार्षिक स्मृति व्याख्यानमाला का उद्घाटन करते हुए महात्मा गांधी के पौत्र राजमोहन गांधी ने कहा कि भारत में अल्पसंख्यकों के हालात के बारे में बात करते समय पाकिस्तान, बांग्लादेश और तमाम दुनिया के अल्पसंख्यकों की स्थिति के बार में भी चिंता जतानी चाहिए तभी वह कारगर चिंता कहलाएगी।

उन्होंने कहा कि सरहदी गांधी की भारत सहित दुनिया में सार्थकता तब तक बनी रहेगी जब तक हिंसा समाप्त नहीं होती और लोगों को उनका वाजिब सम्मान और हक़ नहीं मिलता।

उन्होंने बताया कि गफ्फार खान सच्चे मुसलमान थे और कहा करते थे कि उनकी सारी सोच कुरान पर आधारित है। उन्होंने उसी समय आगाह किया था कि दुनिया को अतिवाद का खतरा है और इसके सिर उठाने से पहले ही सबको सचेत रहना चाहिए। वह कहते थे कि सच्चे मुसलमान को बदले की भावना से काम नहीं करना चाहिए। चांटे के बदले अगर कोई मुसलमान चांटा मारता है तो फिर फर्क क्या रह जाता है। वह कहा करते थे कि अहिंसा की सीख उन्हें कुरान ने दी है।

श्री राजमोहन ने कहा कि खान अब्दुल गफ्फार खान बहुत नरम लेकिन एकदम साफ बातें कहने के लिए जाने जाते थे। उन्होंने 1987 में सरहदी गांधी के भारतीय संसद के संयुक्त अधिवेशन में किए गए उनके संबोधन को याद करते हुए बताया कि तब उन्होंने एकदम बेबाकी से कहा था '' आप शराब से राजस्व कमाते हैं। आपने बुद्ध को भुला दिया और अब गांधी को भी भुला दिया। ''

उसी साल खान अब्दुल गफ्फार खान को देश से शीर्ष नागरिक सम्मान 'भारत रत्न : से सम्मानित किया गया था

पश्चिम बंगाल के पूर्व राज्यपाल और सरहदी गांधी पर मशहूर पुस्तक लिखने वाले श्री राजमोहन ने कहा कि पश्चिम एशिया, भारतीय उप महाद्वीप और दुनिया भर के देशों में वहां के अल्पसंख्यकों का हर लिहाज़ से वाजिब समावेश होना चाहिए। उन्होंने आगे कहा, '' भारत

में अल्पसंख्यकों के हालात के बारे में बात करते समय पाकिस्तान, बांग्लादेश और तमाम दुनिया के अल्पसंख्यकों की स्थिति के बार में भी चिंता जतानी चाहिए। ''

जेएमआई के कुलपति प्रो तलत अहमद ने बताया कि अगले साल से हर 21 फरवरी को विश्वविद्यालय में खान अब्दुल गफ्फार खान पर वार्षिक स्मृति व्याख्यान होगा।

प्रो अहमद ने कहा कि सरहदी गांधी ने आज़ादी की लड़ाई में हिस्सा लेने के साथ ही सामाजिक सुधार के भी बड़े काम किए और जामिया को उनके नाम पर वार्षिक व्याख्यानमाला गठित करने में खुशी हो रही है।

जेएमआई के ' सामाजिक अपवर्जन एवं समावेशी नीति अध्ययन केन्द्र ' : सीएसएसईआईपी : ने '' खान अब्दुल गफ्फार खान स्मृति व्याख्यानमाला '' का गठन किया है।

इस अवसर पर जेएमआई के कुलपति प्रो तलत अहमद विश्विद्यालय में महात्मा गांधी के साथ सरहदी गांधी की एक मशहूर फोटो का अनावरण किया । सीएसएसईआईपी ने इस मौके पर नेहरू संग्रहालय एवं स्मृति लाइब्रेरी के साथ मिल कर खान अब्दुल गफ्फार खान के जीवन पर एक फोटो प्रदर्शनी का भी आयोजन किया।

गफ्फार खान का जन्म 1890 में हुआ था। देश के विभाजन के बाद उन्होंने पख़तून स्वायत्ता के लिए शांतिपूर्ण संघर्ष किया। भारत की आज़ादी की लड़ाई में सरहदी गांधी 17 साल जेल में रहे। देश के विभाजन के बाद पख्तून की स्वायत्ता की लड़ाई में भी उन्हें 12 साल जेल के पीछे काटने पड़े।

प्रो साईमा सईद
डिप्टी मिडिया कोआरडिनेटर
मोबाइल 9891227771

font: krutidev 010